

2020 - ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काऊंसिल (बी.ए.आर.सी.) ने कुछ चैनलों द्वारा सिस्टम के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश करते पकड़े जाने के बाद, 3 महीने के लिए समाचार चैनलों की रेटिंग रोक दी थी। ‘खराब प्रदर्शन करने वालों’ को लेकर उद्योग-व्यापी चर्चा और कई बदलावों के बाद, 17 महीने बाद रेटिंग फिर से शुरू हुई।

2026 - 6 मार्च को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बी.ए.आर.सी. को 4 सप्ताह के लिए समाचार चैनलों की रेटिंग रिपोर्टिंग रोकने का निर्देश दिया। यह ईरान पर अमरीका-इसराईल के हमले की सामान्य से अधिक कवरेज के मद्देनजर किया गया था। एक बड़ी मीडिया प्लानिंग एजेंसी के प्रमुख ने कहा, “एकल-अंक (7 प्रतिशत से कम) व्यूअरशिप शेयर के साथ, समाचार अब रीच (पहुंच) का माध्यम नहीं रह गया है। इसलिए, एजेंसियों और क्लाइंट्स पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। सी.टी.वी. (कनैक्टेट टी.वी.) और डिजिटल मैट्रिक्स उपलब्ध होने के कारण, बी.ए.आर.सी. रेटिंग अब कम महत्वपूर्ण है।” भारत के सबसे बड़े विज्ञापनदाताओं में से एक के वरिष्ठ प्रबंधक ने कहा, “टी.वी. पर हमारी निर्भरता कम हो गई है और एक शैली के रूप में समाचारों में भारी गिरावट आई है।” यही पहला कारण है कि मंत्रालय द्वारा निजी व्यवसाय के लिए मैट्रिक्स रोकने के खिलाफ कोई विरोध नहीं हुआ। लीनियर टैलीविजन, जिसका प्रतिनिधित्व समाचार चैनल करते हैं, एक सिकुड़ते ब्रह्मांड का हिस्सा है। 2019 में, 210 मिलियन भारतीय घरों में टैलीविजन सैट था, यानी लगभग 900 मिलियन की दर्शक संख्या। ये मुख्य रूप से डायरैक्ट-टू-होम (डी.टी.एच.) या केबल वाले घर थे। महामारी और स्ट्रीमिंग के उदय के कारण, यह संख्या घटकर 157 मिलियन घर रह गई है, जो 659 मिलियन लोगों तक पहुंचती है। इसे थोड़ा और विस्तार से समझें। उन 157 मिलियन घरों में से आधे से कम डी.डी. फ्री डिश (राज्य प्रसारक की एक मुफ्त डी.टी.एच. सेवा) पर हैं। शेष 92 मिलियन घरों में केबल/डी.टी.एच. और कनैक्टेट टी.वी. का संयोजन है या इनमें से केवल एक है। ऑडियंस की अधिकांश वृद्धि डी.डी. फ्री डिश या यूट्यूब देखने वाले लोगों से आ रही है। ध्यान दें, ये 2025 की शुरुआत के आंकड़े हैं। एक उद्योग विशेषज्ञ का कहना है कि तब से इनमें और गिरावट आई होगी।

‘इं. टु.’ रूप के मुख्य विपणन अधिकारी और मुख्य परिचालन अधिकारी विवेक मल्होत्रा का मानना ​​है, “हम विज्ञापन खर्च का डिजिटल की ओर स्वाभाविक पलायन देख रहे हैं क्योंकि उपभोक्ताओं की आदतें विकसित हो रही हैं। एक अद्यतन सर्वेक्षण लीनियर टी.वी. के वर्तमान परिदृश्य का अधिक सटीक प्रतिबिम्बक प्रदान कर सकता है।” यह जल्द ही हो सकता है। 27 मार्च को सरकार एक ‘टी.वी. रेटिंग नीति 2026’ लेकर आई, जो सभी प्लेटफार्मों-केबल, डी.टी.एच. और स्ट्रीमिंग को अपना स्वयं का व्यूअरशिप डाटा प्रकाशित करने की अनुमति देती है। सिकुड़ते टी.वी. ब्रह्मांड के भीतर, समाचार एक बहुत ही छोटा हिस्सा है। समाचार चैनल भारत में देखे जाने वाले कुल टी.वी. का 7 प्रतिशत से भी कम हिस्सा बनाते हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सिकुड़ते टी.वी. विज्ञापन बजट में विज्ञापन राजस्व लगभग 4,000 करोड़ रुपए से गिरकर अनुमानित 3,000 करोड़ रुपए रह गया है। ध्यान दें कि यह टैलीविजन स्क्रीन या समाचार का प्रतिबिम्बक नहीं, बल्कि ‘लीनियर टी.वी. बनाम ऑन-डिमांड’ सेवाओं (जैसे यूट्यूब और नेटफ्लिक्स) का परिणाम है।

मल्होत्रा कहते हैं, “सभी प्रोग्रामिंग शैलियों में से, खेल और समाचार ने एक अनूठा लचीलापन दिखाया है। वे लीनियर और डिजिटल के बीच संक्रमण को सफलतापूर्वक नेविगेट कर रहे हैं और मनोरंजन के विपरीत सभी प्लेटफार्मों पर दर्शकों के साथ एक सर्वव्यापी जुड़ाव बनाए रख रहे हैं।” इसका मतलब है कि स्टार स्पोर्ट्स पर क्रिकेट मैच देखने वाला दर्शक जियो हॉटस्टार पर भी जाएगा। लेकिन जो स्टार प्लस पर सोप ओपेरा ‘अनुपमा’ देखता है, वह जरूरी नहीं कि जियो हॉटस्टार पर जाए। यदि उन्हें लीनियर टी.वी. से शिफ्ट होना पड़े, तो वे नेटफ्लिक्स या अमेजन प्राइम वीडियो या किसी अन्य ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म पर जा सकते हैं। दूसरा, डिजिटल युग में रेटिंग अप्रासंगिक हो गई है, क्योंकि विज्ञापन अब ‘परफॉर्मैंस-ड्रिवन’ हो गया है। विज्ञापनदाताओं ने समाचार दर्शकों को लक्षित करने के लिए सी.टी.वी. और अन्य उपकरणों का उपयोग करने के सही तरीके खोज लिए हैं।

24 अप्रैल : इतिहास के पन्नों में

- 1571 मारवाड़ साम्राज्य के राजा सूर सिंह का जन्म।
- 1704 समाचार पत्र द बोस्टन न्यूज लेटर का पहला अंक प्रकाशित हुआ।
- 1800 वॉशिंगटन डीसी में कांग्रेस की यू.एस. लाइब्रेरी की स्थापना की गई।
- 1858 महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कुंवर सिंह का निधन।
- 1877 रूस ने ऑटोमन साम्राज्य के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1898 स्पेन में अमेरिका के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी।
- 1920 पोलैंड की सेना ने यूक्रेन पर हमला किया।
- 1929 भारतीय फिल्म अभिनेत्री शम्मी का जन्म।
- 1956 छत्तीसगढ़ राज्य की पहली महिला कलाकार और लोक गायिका तीजन बाई का जन्म।
- 1973 विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज में गिने जाने वाले, देश के महान क्रिकेटर भारत रत्न से सम्मानित सचिन रमेश तेंदुलकर का जन्म।
- 1974 हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर का निधन।
- 1993 भारत में 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के लागू होने के बाद राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की शुरुआत हुई।
- 2011 आध्यात्मिक गुरु सत्य साईं बाबा का निधन।



डॉ. प्रेमप्रकाश बोराना
संकलनकर्ता
इतिहासविद्, महारानी
लक्ष्मीबाई कन्या
उमावि सराफा, उज्जैन

दैनिक राघवकीर्ति

समझौते की संभावना नहीं, फिर युद्ध की ओर ईरान-अमरीका

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक निकर्ष यही है कि अमरीका-ईरान के बीच तत्काल शांति समझौते की संभावना खत्म हो चुकी है। हालांकि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बातचीत करने के अपने 2 प्रतिनिधियों स्टीव विटक्रॉफ और जेरेड कुशनर को इस्लामाबाद भेजने वाले थे तथा उन्होंने स्वयं कहा था कि हम समझौते के करीब हैं और इस्लामाबाद जा सकते हैं। उन्होंने ईरान की मांग को ध्यान में रखकर इसराईल-लेबनान के बीच भी 10 दिनों के युद्ध विराम की घोषणा कर दी। इसके बावजूद किसी को अगर उम्मीद रही हो कि पहले दौर की टूटी वार्ता पटरी पर लौट आई है, तो वह इस युद्ध की पुष्टभूमि, ईरान की वर्तमान स्थिति तथा इसराईल को लेकर उसकी विचारधारा आदि का गहराई से विश्लेषण नहीं किया। बातचीत की तैयारी के बीच समाचार आया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में अमरीकी नौसेना कमांडोज ने ईरान के गुजरते जहाज पर हमला कर उसे कब्जे में ले लिया। अमरीका ने घोषणा की कि जब तक समझौता नहीं होगा होर्मुज से ईरान का जहाज नहीं गुजरेगा। वस्तुतः अमरीका ने ईरान से होर्मुज की नाकेबंदी समाप्त करने को कहा था और ट्रम्प ने घोषणा कर दी थी कि वह ऐसा करने जा रहे हैं। स्वयं ईरान ने भी इसकी घोषणा कर दी लेकिन 24 घंटे के अंदर ही उसने नाकेबंदी जारी रखने का ऐलान कर दिया। अमरीकी राष्ट्रपति शांति समझौते की उम्मीद प्रकट करते रहे पर ईरान की ओर से आक्रामक और युद्धजनित चक्रव्य ही आते रहे। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकासिंग्ट (आई.आर.ई.बी.) में कहा गया कि अमरीकी नेता हवा में किला बना रहे हैं। अमरीका एक ऐसी इच्छा प्रकट कर रहा है जिनका हकीकत से दूर तक का संबंध नहीं हो। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेकिशनन का बयान आया कि हम अपना यूरेनियम अमरीका को नहीं सौंपेंगे। आखिर हमारा संबंधित यूरेनियम ट्रम्प किस अधिकार के तहत लेंगे?

ट्रम्प भले पाकिस्तान की प्रशंसा कर रहे हों, कह रहे हों कि ईरान शांति समझौता कर लेगा लेकिन उन्हें भी मामले की जटिलता और ईरान के इस्लामी शासन की सोच का आभास है। इसलिए उन्होंने साथ-साथ घोषणा की थी कि दुनिया की सबसे ताकतवर नौसेना की नाकेबंदी जारी रहेगी। जब तक ईरान के साथ शत प्रतिशत समझौता नहीं हो जाता तब तक होर्मुज की नाकाबंदी जारी रहेगी। होर्मुज ने दुनिया के लिए संकट पैदा कर दिया है और देशों को अपने जहाज अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के रास्ते से लाने पड़ रहे हैं जो लंबा रास्ता है। 2000 से ज्यादा जहाज खाड़ी में फंसे हुए हैं। 20 लाख से ज्यादा कंटेनर रुके पड़े हैं। ईरान से सबसे ज्यादा तेल और कच्चा माल चीन खरीदता है, इसलिए अमरीकी नाकाबंदी से सबसे ज्यादा समस्या उसे है और ईरान की आय पूरी तरह अवरुद्ध हो गई है। भारत कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा आयातक है, अतः हमारे लिए भी बड़ा संकट है। विश्व की आपूर्ति श्रृंखला इससे प्रभावित है।

आई.आर.जी.सी. के सीनियर एडवाइजर कमांडर मोहम्मद रेजा नकदी का बयान चल रहा है कि हमने कुछ ज्यादा महत्वपूर्ण काम आगे के लिए छोड़ रखे हैं। अगर फिर युद्ध शुरू होता है तो भी हमारी बहुत बनी रहेगी। हम तेल उत्पादन रोक सकते हैं, रोज के 15 मिलियन बैरल तेल को एक साल तक बंद रख सकते हैं। हम दुनिया में बड़ा संकट नहीं पैदा करना चाहते थे, इसलिए हमने धैर्य रखा और संयम से काम लिया। अमरीका का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और

संभागायुक्त श्री सिंह, रेलवे एडीआरएम श्री कुमार, एडीजी श्री गुप्ता, कलेक्टर श्री सिंह, डीआईजी श्री भसीन, एसपी श्री शर्मा सहित रेलवे और प्रशासन के विभागीय अधिकारियों ने एक साथ निरीक्षण किया

रेलवे ने सिंहस्थ के दौरान क्राउड मैनेजमेंट की तैयारी शुरू की



उज्जैन (राधवकीर्ति)। विश्व स्तरीय अलौकिक सिंहस्थ 2028 के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विकास कार्यों की तैयारियां तेज गति से चल रही हैं। वहीं रेलवे प्रशासन ने भी सिंहस्थ को लेकर तैयारी शुरू करते हुए पांच स्थानों पर क्राउड मैनेजमेंट के लिए होल्लिंग एरिया और रेलवे स्टेशन बनाने का कार्य शुरू किया है।

गुरुवार को रेलवे विभाग के अधिकारियों के साथ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने विशेष सैलून से पिंगलेश्वर, पंवासा, मोहनपुरा, नईखेड़ी और श्री चिंतामन गणेश रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त आशीष सिंह,

रेलवे रतलाम मंडल के एडीआरएम अश्वय कुमार, एडीजी राकेश गुप्ता, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, डीआईजी नवनीत भसीन, एसपी प्रदीप शर्मा और विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी गोपाल डांड मौजूद रहे।

सिंहस्थ 2028 के दौरान स्नान के लिए विश्वभर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण के लिए छह स्थानों पर सैटेलाइट स्टेशन और होल्लिंग एरिया पर कार्य प्रारंभ कर दिया है। गुरुवार को जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के दल ने संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलवे के

एडीआरएम अश्वय कुमार ने बताया कि रेलवे विभाग द्वारा प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के अनुभव का लाभ लेते हुए सिंहस्थ 2028 उज्जैन के लिए कार्य योजना बना चुका है। अभी हमारी प्रारंभिक कार्य योजना में उज्जैन के आसपास के सभी रेलवे स्टेशनों पर होल्लिंग एरिया बनाए जाएंगे।

जिसके तहत पिंगलेश्वर स्टेशन पर सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं के आगमन पर भीड़ नियंत्रण के लिए स्टेशन क्षेत्र का विस्तार करने व होल्लिंग एरिया के लिए कार्ययोजना की बनाई गई है। इसी तरह नईखेड़ी रेलवे स्टेशन का विस्तार कर चार प्लेटफार्म तैयार किए जाने के साथ ही पंवासा में नया प्लेटफार्म बनाने,

रेलवे उज्जैन के मुख्य स्टेशन पर तीन नए फुट ओवर ब्रिज बनाएगा

8 नंबर प्लेटफार्म पर 15 हजार स्क्वायर मीटर में श्रद्धालुओं के लिए होल्लिंग एरिया होगा

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे विभाग द्वारा तैयार की गई कार्य योजना देखने प्रशासन के अधिकारी पहुंचे

मोहनपुरा में सैटेलाइट स्टेशन, श्री चिंतामण गणेश, पिंगलेश्वर स्टेशन और विक्रमनगर रेलवे स्टेशनों का विस्तार और उन्नयन किया जा रहा है। सभी स्टेशनों पर यात्रियों के आने पर उन्हें ट्रेन से निकलने और स्टेशन से बाहर जाने और यात्रियों को ट्रेन पर

रेलवे स्टेशन के बीच एक नई बायपास रेलवे लाइन डालने का प्रस्ताव भी स्वीकृत हो चुका है, जमीन मिलते ही इस पर कार्य शुरू हो जाएगा।

संभागायुक्त आशीष सिंह ने विभाग के अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्टेशनों पर प्रस्तावित पहुंच मार्ग, होल्लिंग एरिया के आसपास आवागमन की सुविधा भी बनाई जाए।

निरीक्षण के दौरान रेलवे विभाग की ओर से सीनियर कॉर्डिनेशन रेलवे पीयूष पांडे, डिवीजन इंजीनियर महेंद्र सिंह जाटव, सीनियर डीसीएम हीना केवलरमानी सहित रेलवे और जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

क्राउड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान

सिंहस्थ 2028 महापर्व के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर स्थानीय प्रशासन और रेलवे प्रशासन द्वारा समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है। सिंहस्थ के दौरान पर्व स्नान के अलावा प्रमुख स्नान के समय श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव ट्रेन मार्ग से भी रहेगा।

भीड़ नियंत्रण के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा उज्जैन रेलवे के अलावा अन्य स्टेशनों पर ट्रेन का स्टापेज किया जाएगा। इन स्टेशनों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के इंतजाम के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। उज्जैन रेलवे

स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक आठ के बाहर टिकट काउंटर बनाने के साथ ही यात्रियों के आने-जाने के मार्ग निर्धारित करने के साथ ही होल्लिंग एरिया बनाया जाएगा।

उज्जैन के पास स्टेशनों पर होल्लिंग एरिया बनाए जाएंगे। इसके साथ ही ट्रेनों के आवागमन के लिए भी समय निर्धारित रहेगा। भोपाल से उज्जैन के लिए 30 मिनट में ट्रेन उपलब्ध रहेगी। उज्जैन में ट्रेन को 20 मिनट का हॉल्ट देने का भी प्रस्ताव है। अत्यधिक भीड़ दबाव होने पर स्थानीय प्रशासन के साथ रेलवे प्रबन्धन तात्कालिक कार्य योजना भी बनाएगा। सिंहस्थ के आयोजन के समय में मालगाड़ी का आवागमन इस क्षेत्र में बंद रखेंगे।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों की समीक्षा के लिए पर्यवेक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

मेडिसिटी, पुल निर्माण कार्यों की तरह अन्य निर्माण कार्यों में भी गति बनाकर रखें

बारिश के पहले सड़क निर्माण के कार्य पूर्ण करें - मुख्य सचिव

उज्जैन (राधवकीर्ति)। सिंहस्थ 2028 के विश्व स्तरीय आयोजन के लिए विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में सिंहस्थ 2028 के सफल आयोजन के दृष्टिगत गठित पर्यवेक्षण समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माणाधीन मेडिसिटी और पुल निर्माण के कार्य निर्धारित समयानुसार ही चल रहे हैं। इसकी गति बनाए रखे और यह कोशिश करें की निर्माण कार्य समय से पहले पूर्ण कर सकें। मुख्य सचिव ने निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की गति को लगातार मॉनीटरिंग करते रहे और वर्ष ऋतु के पहले आधारभूत संरचना के कार्य पूर्ण कर लें जिससे आमजन को

किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, संभाग आयुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह एवं कलेक्टर रौशन कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

बैठक के प्रारंभ में मुख्य सचिव श्री जैन द्वारा मंत्रिमंडलीय समिति से स्वीकृत विभिन्न कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इनमें उज्जैन, देवास, खरगोन, शाजापुर, खंडवा एवं मंदसौर जिलों में प्रगतिरत कार्यों का जिलेवार अवलोकन किया गया। उज्जैन जिले से संबंधित स्वीकृत कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव श्री जैन ने बैठक के दौरान विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि सड़क निर्माण से संबंधित कार्यों को वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पूर्व पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही सभी निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता के मानकों का पालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

6 पुलों का निर्माण कार्य दिसंबर 2026 तक पूर्ण होंगे

मुख्य सचिव श्री जैन ने पर्यवेक्षण समिति की बैठक में उज्जैन जिले में शिप्रा नदी पर निर्माणाधीन घाटों एवं विभिन्न पुल निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षा के पहले वालों का आधारभूत काम समय सीमा से पहले पूर्ण कर लें। बैठक में जानकारी दी गई कि सिंहस्थ के अंतर्गत 19 पुलों में से 18 पुलों का कार्य प्रगतिरत है। इसमें 06 पुलों का निर्माण कार्य दिसंबर 2026 तक पूर्ण हो जाएगा।

155.93 करोड़ रुपये की लागत वाले 10 महत्वपूर्ण कार्यों के प्रस्ताव अनुशंसित हुए

बैठक के दौरान पर्यवेक्षण समिति के समक्ष 155.93 करोड़ रुपये की लागत वाले 10 महत्वपूर्ण कार्यों के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। इन सभी प्रस्तावों को समिति द्वारा सर्वसम्मति से अनुशंसित किया गया। साथ ही

यह निर्देश भी प्रदान किए गए कि सभी प्रस्तावित एवं क्रियान्वित किए जाने वाले कार्यों में इंजीनियरिंग डिजाइन के मानकों का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए, ताकि निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण, सुरक्षित एवं दीर्घकालिक दृष्टि से उपयोगी सुनिश्चित हो सकें।

ऑकरेश्वर मंदिर परिसर एवं अन्य कार्यों के लिए 160 करोड़ की राशि स्वीकृत

खंडवा जिले के विभिन्न विकास कार्यों के प्रस्ताव भी समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए। जिनमें ऑकरेश्वर मंदिर परिसर के विकास एवं अन्य संबंधित कार्य शामिल हैं। लगभग 160 करोड़ रुपये की लागत वाले इन कार्यों को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक के समापन पर मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देशित किया कि आगामी बैठक में सिंहस्थ 2028 के लिए समग्र यातायात प्रबंधन के लिए विस्तृत ट्रैफिक मास्टर प्लान प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सालय में 'स्वर्णप्राशन कार्यक्रम' आज आयोजित होगा

उज्जैन (राधवकीर्ति)। शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. जे. पी. चौरसिया ने बताया कि चिकित्सालय के शिशु एवं बालरोग विभाग के अंतर्गत 24 अप्रैल 2026 (शुक्रवार) को जन्म से 10 वर्ष तक के बच्चों के लिए स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बालरोग विशेषज्ञ डॉ. गीता जाटव ने जानकारी देते हुए कहा कि स्वर्ण प्राशन बच्चों में बुद्धि एवं बल-वर्धन, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा बार-बार होने वाले संक्रामक रोगों से बचाव के लिए अत्यंत लाभदायक है। इसलिए सभी अभिभावकों से अपील है कि वे अपने बच्चों का स्वर्ण प्राशन अवश्य करवाएं। प्रत्येक बालक/बालिका के लिए पंजीकरण शुल्क 100/- निर्धारित है।

आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों में बच्चों के समग्र स्वास्थ्य संवर्धन के लिए स्वर्ण प्राशन को अत्यधिक महत्वपूर्ण माना गया है।

उज्जैन में उड़नदस्ता द्वारा रोके गए बाल विवाह

उज्जैन (राधवकीर्ति)। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ संकल्प के तहत कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा बाल विवाह रोकथाम के लिए गठित उड़नदस्ता की मुस्तैदी से अप्रैल माह में जारी अभियान में 12 बाल विवाह होने के पूर्व ही दोनों पक्षों को समझाइश देकर रोका गया है।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिले के नागरिकों से बाल विवाह रोकथाम अभियान में मदद करने के लिए आगे आने की अपील करते हुए आह्वान किया है कि वह अपने आस पास कहीं भी बाल विवाह संबंधी सूचना निकटतम आंगनवाड़ी केंद्र, पुलिस थाना/ चौकी, हेल्प लाइन नम्बर 1098 पर या पंचायत सचिव, कोटवार, आशा को दें। सूचना दाता का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग बृजेश त्रिपाठी के अनुसार सभी रोके गए बाल विवाह में उड़नदस्ता द्वारा मौके पर पहुंच कर बाल विवाह रोकथाम कानून और बाल विवाह के सामाजिक पारिवारिक स्वास्थ्यगत दुष्प्रभावों की जानकारी दोनों पक्षों को देने पर समझाइश दी गई जिससे संबंधित पक्ष बाल विवाह नहीं करने पर सहमत हो गए।

संभागीय आईटीआई में दिव्यांग प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित



उज्जैन (राधवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में गुरुवार को शासकीय संभागीय आईटीआई में सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा दिव्यांग (श्रवण बाधित एवं

लो विजन) प्रशिक्षणार्थियों के लिए एकदिवसीय रोजगार मेला आयोजित किया गया जिसमें 15 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया एवं 7 प्रशिक्षणार्थियों को अगले चरण हेतु चयनित किया

गया, चयनित प्रशिक्षणार्थियों को डी-मार्ट, फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों में लॉजिस्टिक, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं रिटेल जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

शासकीय संभागीय आईटीआई उज्जैन के प्राचार्य द्वारा रोजगार मेले में आए प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के अनुभव लेने एवं सश्रम कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।

जूना निनोरा में हुई बाबा श्याम की भव्य भजन संध्या



उज्जैन (राधवकीर्ति)। जूना निनोरा में सोनगरा परिवार द्वारा बाबा खादू श्याम की भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया विजय राजसिंह सोनगरा द्वारा बताया गया कि ग्राम जूना निनोरा में बाबा का भव्य दरबार लगाया गया व भव्य भजन संध्या का आयोजन

किया गया। भजन गायक महंत प.हरि भैया व्यास, पायल वर्मा, पुष्पा मकवाना, राकेश जैन ने बाबा श्याम के भजनों से भक्तिमय माहौल बना दिया। दरबार सेवा जीतू मालवीय व हनुमंत व्यास ने द्वारा की गयी। इस अवसर पर डा.कालू

सिंह, ठारतन सिंह, डा. मनोहर सिंह, डा. तूफान सिंह, डा.लाखन सिंह, कुं. हिममत सिंह, कुं.जगन सिंह, कुं. भगवान सिंह, कुं.जितेंद्र सिंह, कुं. धर्मेन्द्र सिंह, कुं.शैलेंद्र सिंह, कुं. विजय राज सिंह, कुं. अजयराज सिंह, कुं. दीपक सिंह, कुं. सचिन सिंह उपस्थित थे।

बच्चे के सिर पर चोट लग जाए तो इन 5 लक्षणों पर जरूर दें ध्यान

बच्चे खेलते-कूदते अक्सर गिर जाते हैं। कई बार गिरने पर सिर पर चोट भी लग जाती है। हर बार चोट गंभीर हो, यह जरूरी नहीं होता, लेकिन कुछ संकेत ऐसे होते हैं जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। बच्चों के डॉक्टर के मुताबिक अगर बच्चा सिर के बल गिरा है, तो उसके व्यवहार और शरीर में होने वाले कुछ बदलावों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। इन संकेतों से पता चल सकता है कि चोट सामान्य है या अंदरूनी नुकसान की आशंका है। सिर की चोट के बाद इन 5 संकेतों को न करें नजरअंदाज।

बार-बार उल्टी होना या खाना न खाना

अगर बच्चे के सिर पर चोट लगने के बाद उसे बार-बार उल्टी हो रही है या वह खाना खाने से मना कर रहा है, तो यह सामान्य लक्षण नहीं है। ऐसे संकेत इस बात की ओर इशारा कर सकते हैं कि अंदरूनी चोट लगी हो या दिमाग पर असर पड़ा हो। कई बार बच्चे को चक्कर, बेचैनी या कमजोरी भी महसूस हो सकती है, जिसके कारण वह कुछ खाने-पीने से बचता है। ऐसे में माता-पिता को सतर्क रहना चाहिए और इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि उल्टी लगातार रहे रही हो या बच्चा कुछ भी नहीं खा रहा हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है, ताकि समय रहते सही जांच और इलाज हो सके।

नींद में असामान्य बदलाव

अगर सिर पर चोट लगने के बाद बच्चे की नींद के पैटर्न में अचानक बदलाव आ जाए, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बच्चा सामान्य से ज्यादा सोने लगे, बार-बार उनींदा दिखे या उसे सोने में दिक्कत होने लगे, तो यह दिमाग पर असर पड़ने का संकेत हो सकता है। कई बार बच्चा सुस्त, थका हुआ या प्रतिक्रिया देने में धीमा भी हो जाता है। ऐसी स्थिति में माता-पिता को बच्चे पर लगातार नजर रखनी चाहिए और अगर यह समस्या बनी रहती है, तो बिना देर किए डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

व्यवहार में बदलाव या लगातार रोना

अगर सिर पर चोट लगने के बाद बच्चे के व्यवहार में अचानक बदलाव दिखने लगे, तो यह चिंता की बात हो सकती है। बच्चा बिना किसी स्पष्ट कारण के लगातार रोने लगे, चिड़चिड़ा हो जाए या पहले जैसा सामान्य व्यवहार न करे, तो यह अंदरूनी परेशानी का संकेत हो सकता है। कई बार बच्चा बेचैन, खराया हुआ या असहज महसूस करता है, जिसे वह अपने व्यवहार के जरिए जाहिर करता है। ऐसे में माता-पिता को इन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और अगर यह बदलाव लंबे समय तक बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

बेहोशी या दौरा पड़ना

अगर सिर पर चोट लगने के बाद बच्चा कुछ समय के लिए बेहोश हो जाए या उसे दौरा (फिट) पड़ने लगे, तो यह बेहद गंभीर स्थिति का संकेत हो सकता है। यह इस बात की ओर इशारा करता है कि दिमाग पर गहरा असर पड़ा है और तुरंत मेडिकल जांच की जरूरत हो सकती है। कई बार बच्चा अचानक सुस्त पड़ जाता है, प्रतिक्रिया देना बंद कर देता है या उसकी आंखें उलटने लगती हैं। ऐसी स्थिति में बिल्कुल भी देरी न करें और तुरंत डॉक्टर या नजदीकी अस्पताल ले जाएं, क्योंकि समय पर इलाज ही बच्चे को बड़े खतरे से बचा सकता है।

सिर की सूजन का बढ़ना

अगर बच्चे के सिर पर चोट लगने के बाद सूजन धीरे-धीरे कम होने की बजाय बढ़ती जा रही है, तो यह गंभीर संकेत हो सकता है। सामान्य चोट में सूजन कुछ समय बाद कम होने लगती है, लेकिन अगर वह लगातार बढ़े, सख्त हो जाए या छूने पर ज्यादा दर्द हो, तो यह अंदरूनी चोट या खून जमा होने की ओर इशारा कर सकता है। ऐसी स्थिति में देरी करना सही नहीं है, इसलिए तुरंत डॉक्टर को दिखाना जरूरी होता है, ताकि सही जांच कर समय पर इलाज किया जा सके।

बच्चा गिर जाए और सिर पर चोट लग जाए तो क्या करें

- चोट वाली जगह पर कपड़े में लपेटकर 15-20 मिनट तक बर्फ से सिकाई करें। इससे सूजन कम हो सकती है।
 - हर 2-3 घंटे में बच्चे की स्थिति पर नजर रखें और देखें कि कोई गंभीर लक्षण तो नहीं दिख रहे।
 - बच्चे को आराम करने दें और ज्यादा भाग-दौड़ या खेल से कुछ समय के लिए दूर रखें।
 - बच्चे को सोने दें, लेकिन उसके सामान्य व्यवहार पर ध्यान जरूर रखें।
 - बच्चों को सिर की चोट से बचाने के तरीके
 - बच्चों को सख्त जमीन या सीढ़ियों के पास खेलने से बचाएं।
 - कार में बैठते समय सीट बेल्ट जरूर लगाएं।
 - साइकिल चलाते समय या खेल के दौरान हेलमेट पहनने की आदत डालें।
- बच्चों के गिरने की घटनाएं आम होती हैं, लेकिन सिर की चोट को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर लक्षण पहचानना और सही कदम उठाना बच्चे की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है।

छोटे बीज, बड़े फायदे

पेट-दिल और स्किन के लिए रामबाण

पपीता को आमतौर पर एक हेल्दी फल के रूप में जाना जाता है, लेकिन इसके बीजों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार पपीते के छोटे-छोटे काले बीज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और शरीर को कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं।



पोषक तत्वों से भरपूर हैं पपीते के बीज

पपीते के बीजों में प्रोटीन, फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और उसे अंदर से मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

पाचन तंत्र और डिटॉक्स के लिए असरदार

विशेषज्ञ मानते हैं कि पपीते के बीज प्राकृतिक डिटॉक्स एजेंट की तरह काम करते हैं।

- ये पाचन तंत्र को मजबूत बनाते हैं
 - कब्ज और गैस जैसी समस्याओं में राहत देते हैं
 - शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करते हैं
- इसके अलावा ये लीवर और किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर करने में भी सहायक माने जाते हैं।

दिल और जोड़ों के लिए भी फायदेमंद

- पपीते के बीजों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण
- सूजन को कम करते हैं
- जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द में राहत देते हैं
- कोलेस्ट्रॉल को संतुलित रखने में मदद करते हैं
- इससे हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

संक्रमण से बचाव और त्वचा के लिए लाभ

- इन बीजों में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण पाए जाते हैं,
- जो पेट के हानिकारक बैक्टीरिया और कीड़ों को खत्म करने में मदद करते हैं।
- त्वचा को स्वस्थ और साफ रखने में सहायक होते हैं
- बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं।

ऐसे करें पपीते के बीज का सेवन

- पपीते के बीजों को अपनी डाइट में शामिल करना आसान है।
- बीजों को सुखाकर पाउडर बना लें
- रोज सुबह एक चुटकी गुनगुने पानी के साथ लें
- सलाद, दही या स्मूदी में मिलाकर खाएं
- हल्का भूतकर मसाले की तरह इस्तेमाल करें।

सेवन से पहले रखें ये सावधानियां

- सीमित मात्रा में ही सेवन करें
 - अधिक सेवन से पेट में जलन हो सकती है
 - गर्भवती महिलाएं और छोटे बच्चे डॉक्टर की सलाह लेकर ही सेवन करें।
- पपीते के बीज, जिन्हें अक्सर बेकार समझकर फेंक दिया जाता है, वास्तव में सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। सही मात्रा और सही तरीके से इनका सेवन करने पर ये पेट, दिल और त्वचा की सेहत को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

दुनिया को तबाही से बचा सकते हैं ‘घोस्ट फॉरेस्ट’, क्या है धरती के भविष्य को समझने की नैचुरल लैब का रहस्य

घोस्ट फॉरेस्ट यह समझने में मदद करेंगे कि धरती का इकोसिस्टम जलवायु परिवर्तन के प्रति कैसी प्रतिक्रिया दे रहा है और हम इसकी रक्षा कैसे कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये केवल जलवायु परिवर्तन के डरावने प्रतीक मात्र नहीं हैं, बल्कि पृथ्वी के भविष्य को समझने के लिए महत्वपूर्ण नैचुरल प्रयोगशालाएं भी हैं।

घोस्ट फॉरेस्ट

दुनिया के तटीय इलाकों में तेजी से बन रहे रहस्यमयी ‘घोस्ट फॉरेस्ट’ (Ghost Forests) पर हुए नए रिसर्च से ऐसे महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं, जो यह समझने में मदद करेंगे कि धरती का इकोसिस्टम जलवायु परिवर्तन के प्रति कैसी प्रतिक्रिया दे रहा है और हम इसकी रक्षा कैसे कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये केवल जलवायु परिवर्तन के डरावने प्रतीक मात्र नहीं हैं, बल्कि पृथ्वी के भविष्य को समझने के लिए महत्वपूर्ण नैचुरल प्रयोगशालाएं भी हैं।

क्या होते हैं घोस्ट फॉरेस्ट?

समुद्र के बढ़ते हुए जल स्तर और खारे पानी के घुसपैठ के कारण बनने वाले घोस्ट फॉरेस्ट, संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी तटों पर अब एक आम दृश्य बनते जा रहे हैं। ये लैंडस्केप, जो कभी हरे-भरे पेड़ों से भरे होते थे, अब धूसर और बेजान तनों के डरावने झुंड के रूप में खड़े हुए हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ डेलोवेयर के रिसर्चर्स की एक टीम इस बात की स्टडी कर रही है कि ये मरते हुए इकोसिस्टम सतह के नीचे कैसे

काम करते हैं। उनके निष्कर्ष ‘अमेरिकन केमिकल सोसाइटी सिंग 2026’ की बैठक में प्रस्तुत किए गए, जो हजारों रिसर्च की प्रस्तुतियों वाला एक प्रमुख वैज्ञानिक समागम है।

‘स्टेमफ्लो’ और मरते पेड़ों का विज्ञान

इस स्टडी में शामिल पर्यावरण इंजीनियरिंग की छात्रा सामंथा चिड्ढाकोन ने कहा, ‘घोस्ट फॉरेस्ट जलवायु परिवर्तन की शक्तिशाली और दृश्य बॉनिंग हैं।’ उन्होंने स्वस्थ अंतर्देशीय जंगलों और तट के करीब मर रहे पेड़ों के बीच के अंतर को स्पष्ट किया, जहां बढ़ता हुआ समुद्र, नमक के प्रति संवेदनशील वनस्पतियों को धीरे-धीरे जह्म दे रहा है। यह रिसर्च ‘स्टेमफ्लो’ नामक एक कम ज्ञात लेकिन महत्वपूर्ण प्रक्रिया पर केंद्रित है। स्टेमफ्लो वह बारिश का पानी है जो पेड़ों के तनों से होकर नीचे गिरता है और मिट्टी में पोषक तत्व ले जाता है। वैज्ञानिकों ने ‘स्वीटगम’ के स्वस्थ, तनावग्रस्त और मृत पेड़ों में स्टेमफ्लो की रिलेटिव स्टडी की।

स्पंज की तरह काम कर रहे हैं मृत पेड़

रिसर्च के निष्कर्ष एक परेशान करने वाले बदलाव की ओर इशारा करते हैं। मृत और मरते हुए पेड़ जंगल की जमीन तक बहुत कम मात्रा में पानी पहुंचने दे रहे हैं। इसकी बजाय, ये पेड़ खुद ही अधिकांश पानी सोख लेते हैं, जिससे आसपास की मिट्टी के इकोसिस्टम को मिलने वाले पोषक तत्वों और ऑर्गेनिक कार्बन की आपूर्ति कट जाती है।

इस मामले में रिसर्चर यू-पिंग चिन ने समझाया, ‘मरे हुए पेड़ किसी स्पंज की तरह से काम कर रहे हैं। यह आवश्यक पोषक तत्वों के प्रवाह को बाधित करता है, जिससे ना केवल पेड़, बल्कि पूरे जंगल की सतह प्रभावित होती है।’

असामान्य शुगर और इबता सुंदरवन

टीम ने तनावग्रस्त और मरते हुए पेड़ों के स्टेमफ्लो में असामान्य रूप से शुगर की हाई कॉन्सेंट्रेशन भी पाई। यह मिट्टी के सूक्ष्मजीव

समुदायों को बदल सकता है, जिससे काई, पौधों और अन्य जीवों पर ‘कैस्कोडिंग प्रभाव’ पड़ सकता है जो बैलेन्स न्यूट्रिएंट साइकल यानी पोषक चक्रों पर निर्भर रहते हैं।

जमीन के नीचे होने वाले ये बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि तटीय वन कार्बन को स्टोर करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। सुंदरवन जैसे डेल्टा क्षेत्रों के डूबने और पोषक तत्वों के प्रवाह में बाधा आने से यह क्षमता कमजोर हो सकती है, जिससे जलवायु परिवर्तन की गति और भी तेज हो सकती है।

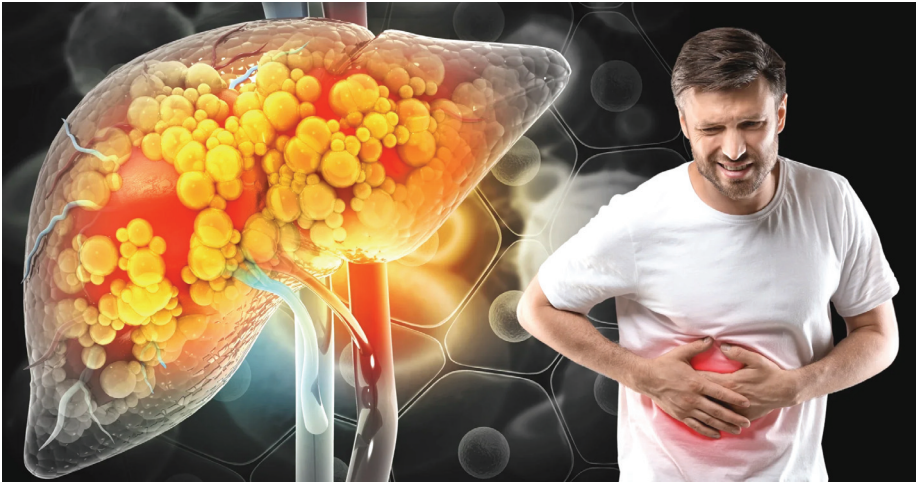
भविष्य की उम्मीद

रिसर्चर्स का ऐसा मानना है कि इन प्रक्रियाओं को समझने से यह अनुमान लगाने में मदद मिलेगी कि समुद्र का लेवल बढ़ने पर कौन से जंगल सबसे अधिक खतरे में हैं, और उन्हें बचाने की रणनीतियां बनाने में मार्गदर्शन मिलेगा।

चिड्ढाकोन ने कहा, ‘स्टेमफ्लो पोषक तत्वों का एक महत्वपूर्ण वाहक है। हमें इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, विशेष रूप से इन नाजुक इकोसिस्टम में।’ जैसे-जैसे घोस्ट फॉरेस्ट का दायरा बढ़ रहा है, वे गर्म होती धरती के खिलाफ लड़ाई में सबसे स्पष्ट चेतावनी और शायद समाधान भी पेश कर सकते हैं।



फैटी लिवर कंट्रोल करने में मददगार है ये सब्जी, डाइट में जरूर शामिल करें



आजकल गलत खान-पान, ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजें, जंक फूड और कम शारीरिक गतिविधि के कारण फैटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है। जब लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो जाता है, तो उसे फैटी लिवर कहा जाता है। शुरुआत में यह समस्या ज्यादा गंभीर नहीं लगती, लेकिन अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो यह लिवर डैमेज जैसी बड़ी परेशानी में बदल सकती है।

कौन सी सब्जी है सबसे फायदेमंद?

फैटी लिवर को कंट्रोल करने के लिए लौकी (घीया) एक बहुत ही असरदार और प्राकृतिक उपाय मानी जाती है। यह हल्की, आसानी से पचने वाली और पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें कैलोरी कम होती है, जिससे वजन कंट्रोल में रहता है और लिवर पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ता।

लौकी कैसे करती है लिवर की सफाई?

लौकी में पानी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ-साथ टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करती है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन को सुधारता है और लिवर को साफ रखने में सहायक होता है। इससे धीरे-धीरे लिवर में जमा फैट कम होने लगता है और उसकी कार्यक्षमता बेहतर होती है।

एंटीऑक्सीडेंट्स का क्या है रोल?

लौकी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। ये लिवर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाकर उन्हें मजबूत बनाते हैं। जब लिवर स्वस्थ रहता है, तो शरीर में फैट का मेटाबॉलिज्म सही तरीके से होता है, जिससे फैटी लिवर की समस्या कम होने लगती है।

सेवन करने का सही तरीका क्या है?

लौकी को आप कई तरीकों से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। आप इसकी सब्जी बना सकते हैं, दाल में डाल सकते हैं या इसका जूस भी पी सकते हैं। सुबह खाली पेट लौकी का ताजा जूस पीना खासतौर पर फायदेमंद माना जाता है। लेकिन ध्यान रखें कि जूस हमेशा ताजा ही हो और इसे सीमित मात्रा में ही लें।

लाइफस्टाइल में बदलाव भी है जरूरी

सिर्फ लौकी खाने से ही पूरी तरह फायदा नहीं होगा, इसके साथ आपको अपनी जीवनशैली में भी सुधार करना होगा। तली-भुनी चीजों से दूरी बनाएं, मीठा कम खाएं, रोजाना हल्की एक्सरसाइज करें और पर्याप्त नींद लें। ये सभी आदतें मिलकर लिवर को स्वस्थ रखने में मदद करती हैं।

छोटी सी सब्जी, बड़ा फायदा

लौकी एक साधारण लेकिन बेहद फायदेमंद सब्जी है, जो फैटी लिवर को कंट्रोल करने में मदद कर सकती है। अगर इसे नियमित रूप से संतुलित आहार और हेल्दी लाइफस्टाइल के साथ लिया जाए, तो यह लिवर को स्वस्थ रखने में काफी असरदार साबित हो सकती है।

माताओं-बहनों को सर्वोपरि रखने की है हमारी संस्कृति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (राधवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति माताओं-बहनों का सर्वोपरि रखने की रही है। बहनों को विधानसभाओं और लोकसभा में आरक्षण दिलवाने के लिए हमारी सरकार लड़ाई लड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबको साथ लेकर चलने के लिए सभी से अपील की थी, लेकिन कुछ राजनैतिक दलों को बहनों को उनका अधिकार देने में जरा भी दया नहीं आई। पहले भी बहनों के भरण पोषण के भत्ते से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी इन लोगों ने ही टुकरा दिया था। राज्य सरकार माताओं-बहनों का सम्मान करते हुए लाइली बहना योजना के माध्यम से बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सौगात दे रही है। प्रदेश के 17 जिलों में महिला कलेक्टर हैं। प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में महिला अधिकारी एसपी हैं और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। सागर जिले में सांसद, महापौर भी महिलाएं हैं। प्रदेश भर में प्रमुख पदों पर महिलाओं को जिम्मेदारी दी जा रही है, लेकिन कई राजनैतिक दलों को नहीं सुझता है। माताएं-बहनें सब कुछ भूल सकती हैं, पर अपना अपमान कभी नहीं भूल सकती हैं, बहनों से यही अपील है कि मौका मिलने पर हिसाब जरूर चुकता करना है। हमारा पूर्ण संकल्प है कि आज नहीं तो कल प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में इन बहनों को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवा कर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, नरयावली, सागर में विकास कार्यों के भूमि पूजन और लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन के प्रारंभ में बुंदेल केसरी महाराजा छत्रसाल और डॉ.

हरिसिंह गौर को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन तथा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरयावली में 27 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक विद्यालय नहीं, हमारी 5 हजार साल पुरानी विरासत का प्रतीक है। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने वाले श्रीकृष्ण हमारे आदर्श हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरयावली में 41 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से 36 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें विभिन्न पंचायतों में बने 12 सीसी रोड शामिल हैं। क्षेत्र की जनता को नए सामुदायिक भवनों और आंगनवाड़ी भवनों की भी सौगात मिली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा आज 17 करोड़ 39 लाख रुपए की लागत से 62 विकास कार्यों का भूमि-पूजन भी किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए सरकार प्रयासरत है। अब कृषक कल्याण वर्ष में किसानों को आगे बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। बुंदेलखंड की धरती वीरों और महावीरों की धरती है। बुंदेलखंड के लोग हर क्षेत्र में दक्ष थे, लेकिन प्रकृति की मार पड़ी तो पानी की कमी हो गई और खेती प्रभावित होने से पलायन शुरू हो गया। अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में यहां केन-बेतवा लिंक नदी जोड़ो परियोजना की सौगात मिली है। इस 1 लाख करोड़ रुपए की परियोजना से बुंदेलखंडवासियों के पीने के पानी की समस्या हल होगी। किसानों को सिंचाई के लिए



पर्याप्त पानी मिलेगा। उद्योग-धंधे स्थापित होंगे। सागर में इंडस्ट्रियल पार्क का कार्य तेजी से हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को 5 रुपए में बिजली का अस्थाई कनेक्शन दिया जा रहा है। किसानों को 40 रुपए प्रति किंटल बोनस देकर 2625 रुपए प्रति किंटल मूल्य पर गेहूं खरीदा जा रहा है। किसानों से किए सभी वादों को पूरा करते हुए आगामी वर्षों में 2700 रुपए से अधिक भाव पर गेहूं खरीदा जाएगा। किसान भाइयों की मेहनत से प्रदेश में इस वर्ष गेहूं उत्पादन भी बढ़ा है। अब पॉली बैग्स का विकल्प निकासी गया है। राज्य सरकार ने गेहूं का एक-एक दाना खरीदने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार पहले छोटे और मध्यम वर्ग के किसान और उसके बाद बड़े किसानों का गेहूं खरीद रही है। केंद्र सरकार ने मध्यप्रदेश के लिए 78 लाख मेट्रिक टन गेहूं खरीद का कोटा तय किया है, लेकिन इस बार गेहूं का उत्पादन दोगुना हुआ है, इसीलिए केंद्र सरकार

से गेहूं खरीद का कोटा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी राज्य सरकार ने भावार्तर भुगतान योजना के अंतर्गत लाभान्वित कर उपज का उचित दाम दिलवाया था। सच्चा वादा, पक्का काम, प्रेम से बोलो जय श्रीराम हमारी सरकार का नारा है। जो कहा है, उसे पूरा करके दिखाया है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में नए सांदीपनि विद्यालय खोले जा रहे हैं। प्रदेश में स्कूल, कॉलेज, बांध, सड़कें और उद्योग सहित अन्य विकास कार्यों के लिए आवश्यकता पड़ने पर किसानों से भूमि अधिग्रहित की जाती है। जमीन ही किसानों का आसरा होती है। इसीलिए सरकार ने निर्णय लिया है कि किसानों को भूमि अधिग्रहण करने पर कलेक्टर रेट से 4 गुना मुआवजा दिया जाएगा। किसानों की आय में वृद्धि के लिए कृषि के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन पर भी

विशेष जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने 16 विभागों को एक साथ जोड़कर योजनाएं तैयार की हैं। सहकारिता के माध्यम से सरकार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बन रहे आधुनिक सांदीपनि विद्यालय प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ रहे हैं। वर्ष 2025-26 में बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम आया तो सरकारी स्कूलों के बच्चों ने सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। बेटियों ने परीक्षाओं में बाजी मारी है। राज्य सरकार स्कूल टॉपर विद्यार्थियों को स्कूटी और मेधावी विद्यार्थियों को लेपटॉप दे रही है। नरयावली क्षेत्र डॉ. हरिसिंह गौर के समय से शिक्षा का पानन मॉडर रहा है। यहां कोई शासकीय विश्वविद्यालय नहीं था, इसीलिए नरयावली में रानी अवतीबाई के नाम पर राजकीय विश्वविद्यालय शुरू करने की पहल की गई। नरयावली को आज 27 करोड़ रुपए लागत के सांदीपनि विद्यालय की सौगात मिली है, जो

भविष्य निर्माण का प्रमुख केंद्र बनेगा। जरूआखेड़ी में 10 करोड़ की लागत से नवीन आईटीआई भवन, 60 सीटर छात्रावास और आवासीय भवनों का लोकार्पण भी हुआ है। आज इस ऐतिहासिक अवसर पर नरयावली की जनता को 58 करोड़ 46 लाख रुपए लागत के 98 विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन की सौगात मिली है। बुंदेलखंड में 2023 के बाद से 500 किलोमीटर से अधिक की सड़कें बन चुकी हैं। जिला अस्पताल में 100 बेड के नए वार्ड का निर्माण किया जा रहा है। सागर जिले में 6 अलग-अलग नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। यहां एमएसएमई का एक क्लस्टर भी बनाया जा रहा है। बीना रिफाइनरी के माध्यम से कई बड़े प्रोजेक्ट यहां आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रमुख घोषणाएं

कड़ान मध्यम सिंचाई परियोजना का

पुनरीक्षण होगा, इससे क्षेत्र की लगभग 30 हजार एकड़ भूमि सिंचित होगी। मकरोनिया फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा। 24 करोड़ रुपए की लागत से बम्होरी तिराहे से नई 4 लेन सड़क बनाई जाएगी। लघु सिंचाई परियोजना, जलाशय सुधार कार्य, 25 करोड़ की लागत से दो नए पुल बनाए जाएंगे। औद्योगिक कौशल की जरूरतों के अनुसार जरूआखेड़ा आईटीआई में नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। नगरपालिका करीपुर में विकास कार्यों के लिए आवश्यक राशि की घोषणा की गई।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में वर्ष 2025 उद्योग वर्ष के रूप में मनाया गया। इसका परिणाम अब जमीनी स्तर पर नजर आने लगा है। बुंदेलखंड के सागर, छतरपुर, पन्ना में उद्योग स्थापित हो रहे हैं। अब कृषक कल्याण वर्ष में राज्य सरकार ने किसानों के हित में अनेक हितकारी निर्णय लिए हैं। जब प्रदेश में सड़क, डैम और उद्योग स्थापित होते हैं तो किसानों से जमीन अधिग्रहित की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों की पीड़ा तो समझा है और उन्हें बाजार भाव से 4 गुना मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने राहवीर योजना की शुरुआत कर सड़क हादसे के घायलों को बड़ी सौगात दी है। प्रदेशभर में सांदीपनि विद्यालय शुरू किए जा रहे हैं। राज्य सरकार विरासत का संरक्षण करते हुए विकास के पथ पर अग्रसर है।

सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में बुंदेलखंड क्षेत्र को विकास की कई सौगातें मिली हैं। नदी जोड़ो

परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र के कृषकों का जीवन बदलने वाला है। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष राज्य सरकार द्वारा किसानों के अधिकारों का संकल्प है। प्राकृतिक खेती और आधुनिक मॉडलों से किसानों की आय बढ़ी है। सांसद श्रीमती वानखेड़े ने विभिन्न स्वीकृत निर्माण कार्यों की जानकारी दी।

विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में नरयावली विधानसभा को विकास की नई गति मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुंदेलखंड के चहुंमुखी विकास के लिए दिल्ली-नागपुर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की सौगात दी है। यह नरयावली के मसवासी, बहेरिया और गढ़कोरा में बनेगा। इसके लिए 600 हेक्टेयर भूमि का आवंटन भी हो चुका है। इस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से बुंदेलखंड के 29 हजार से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। श्री लारिया ने नरयावली महाविद्यालय में विज्ञान आरंभ करने तथा विधानसभा क्षेत्र में एक कृषि महाविद्यालय और पशु महाविद्यालय शुरू करवाने का अनुरोध किया।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं विधायक गोपाल भार्गव तथा भूपेंद्र सिंह, विधायक सर्वश्री शैलेंद्र जैन, वीरेंद्र लंबदार, बृजविहारी पटेलरिया, श्रीमती निर्मला सप्रे, जिला पंचायत अध्यक्ष बीरा सिंह राजपूत, महापौर सागर श्रीमती संगीता तिवारी, श्याम तिवारी, श्रीमती रानी कुशवाहा, प्रभुदयाल कुशवाहा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय जन उपस्थित थे।

वर्ष 2030 तक प्रदेश की विमानन क्षमता में होगा व्यापक विस्तार मध्यप्रदेश बनेगा विमानन और लॉजिस्टिक्स का प्रमुख केंद्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण से विमानन क्षेत्र को मिल रही नई गति



भोपाल (राधवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश विमानन क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'उड़ान' विजन को साकार करते हुए प्रदेश को उत्कृष्ट विमानन केंद्र और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। वर्ष 2030 तक यात्री क्षमता 5.5 मिलियन से बढ़ाकर 10 मिलियन प्रति वर्ष तथा माल कार्गो क्षमता 20 हजार मीट्रिक टन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।प्रदेश में विमानन अधोसंरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है। इंदौर-देवास-उज्जैन क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ एयरपोर्ट सिटी विकसित की जाएगी। यह परियोजना पीपीपी मॉडल पर आधारित होगी, जिससे निवेश, व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट पॉलिसी के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे प्रदेश में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं विकसित होंगी और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंच हुई सुलभ

मध्यप्रदेश आस्था, अध्यात्म और अनुभव शिल्पकला का संगम है। उज्जैन के श्री महाकाल लोक, ओंकारेश्वर के एकाल धाम, खजुराहो की ऐतिहासिक धरोहर और ओरछा-चित्रकूट की आस्थाएं जन-मानस में रची-बसी हैं। इन स्थलों तक सहज पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 'पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा' और 'धार्मिक पर्यटन हेली सेवा' प्रभावी

माध्यम बन रही हैं। वर्तमान में यह सेवा प्रदेश के 8 प्रमुख केंद्रों- भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, ग्वालियर, सिंगरौली और खजुराहो को आपस में जोड़कर श्रद्धा और पर्यटन को नए पंख लगा रही है। हाल ही में ओरछा और चित्रकूट जैसे पानन धामों के लिए प्रारंभ हुई हेली सेवा ने श्रद्धालुओं के लिए 'हरि-हर-दर्शन' कीको और भी सरल, सुखद और स्मरणीय बना दिया है।

तहसील स्तर तक हो रहा हवाई सेवाओं का विस्तार

प्रदेश में विमानन क्षेत्र को विकेंद्रीकृत करते हुए हवाई सुविधाओं को तहसील स्तर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। हवाई सेवाएं केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें, बल्कि हर क्षेत्र तक पहुंचें। इसी दृष्टि से प्रत्येक तहसील ब्लॉक में हेलीपैड विकसित करने की योजना है।

प्रदेश में हर 150 किलोमीटर पर एक कॉमर्शियल एयरपोर्ट, 75 किलोमीटर पर एयरस्ट्रिप और 45 किलोमीटर के दायरे में हेलीपैड विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह व्यवस्था आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करेगी और दूरस्थ क्षेत्रों के आर्थिक विकास को नई गति देगी।

क्षेत्रीय हवाई संपर्क से छोटे शहरों को मिली विकास की उड़ान

विगत दो वर्षों में मध्यप्रदेश ने हवाई सेवाओं के विस्तार में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। द्रविया प्रदेश के 8वें हवाई अड्डे के रूप में अपनी सेवा दे रहा है। रीवा, सतना और द्रविया की सफलता के बाद अब शिवपुरी और उज्जैन में भी नए हवाई अड्डों की तैयारी तेजी से चल रही है। रीवा हवाई अड्डा पूरे विंध्य क्षेत्र के लिए विकास का नया इंजन बन चुका है। यह न केवल सीमेंट और बिजली उत्पादन केंद्रों के लिए मददगार साबित हो रहा है, बल्कि मुकुंदपुर टाइगर सफारी जैसे पर्यटन केंद्रों तक पर्यटकों की पहुंच को भी आसान बना रहा है। इसी कड़ी में हम चित्रकूट और मैहर जैसे आस्था के साथ 16 एरियाई हवाई अड्डों में छोटे स्थान पर रहा है। वहीं भोपाल के राजा भोज अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 24 घंटे संचालन शुरू किया गया है। प्रदेश के सभी हवाई अड्डों पर सुरक्षित, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं पर विशेष ध्यान

हवाई यात्रा में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश के हवाई अड्डे सेवा और गुणवत्ता के वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित हो रहे हैं।इंदौर का देवी अहिल्याबाई होल्कर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 'एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी' सर्वे में 4.90 स्कोर के साथ 16 एरियाई हवाई अड्डों में छोटे स्थान पर रहा है। वहीं भोपाल के राजा भोज अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 24 घंटे संचालन शुरू किया गया है। प्रदेश के सभी हवाई अड्डों पर सुरक्षित, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

नागर विमानन नीति-2025 से निवेश और रोजगार को बढ़ावा

प्रदेश की सिविल एविएशन पॉलिसी-2025 विमानन क्षेत्र के

समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस नीति का उद्देश्य प्रदेश में विमानन अधोसंरचना को मजबूत करना, निजी निवेश को आकर्षित करना और युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर सृजित करना है।नीति के तहत प्रदेश की 11 हवाई पट्टियों को उड़ान प्रशिक्षण (FTO) और अन्य व्यावसायिक विमानन गतिविधियों के लिए निजी भागीदारी से विकसित किया जा रहा है। इनमें सिवनी, सागर, गुना, रतलाम, उज्जैन, बालाघाट, उमरिया, छिंदवाड़ा, मंदसौर, नीमच और शिवपुरी शामिल हैं। इससे इन क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं का विकास होगा। मध्यप्रदेश में पायलट ट्रेनिंग और एविएशन एजुकेशन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही प्रदेश विमानन क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा। नीति के क्रियान्वयन से युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसके साथ ही प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति इसे देश के 'हृदय प्रदेश' के रूप में विशेष बनाती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'गति शक्ति' विजन और 'रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम' के साथ राज्य की नीतियों का समन्वय प्रदेश को लॉजिस्टिक्स और एविएशन हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विमानन क्षेत्र का यह विस्तार किसानों, व्यापारियों, युवाओं और पर्यटकों के लिए नए अवसर सृजित कर रहा है। यह केवल अधोसंरचना का विकास नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का माध्यम है। 'विकसित मध्यप्रदेश' के संकल्प के साथ प्रदेश निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

राज्य वित्त आयोग का दो दिवसीय सागर दौरा

भोपाल (राधवकीर्ति)। मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह वैवाघा के नेतृत्व में आयोग की एक उच्चस्तरीय टीम शुक्रवार को 24 अप्रैल 2026 सागर संभाग के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचेगी। श्री पवैया संभाग के नगरीय और ग्रामीण निकायों की वित्तीय स्थिति का बारीकी से आकलन करना तथा विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे।

25 अप्रैल को सागर संभाग के आयुक्त सहित सभी छह जिलों के कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की एक वृहद प्रशासनिक बैठक भी आहूत की गई है। इस बैठक में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा प्रवर्तित विभिन्न योजनाओं की धरातलीय वास्तविकता और उनकी गुणवत्ता पर गहन विचार-विमर्श होगा। आयोग स्थानीय निकाय अपने स्वयं के राजस्व स्रोतों को बढ़ाने के लिए किस प्रकार के नए नवाचार अपना रहे हैं। इस पर चर्चा करीगी। इस महत्वपूर्ण दौरे में आयोग के सदस्य श्री के.के. सिंह और सदस्य सचिव वीरेंद्र कुमार प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रत्यक्ष रूप से वित्तीय आंकड़ों की समीक्षा करेंगे। साथ ही, टीम द्वारा क्षेत्र की कुछ चुनिंदा विकास योजनाओं का स्थल निरीक्षण भी किया जाएगा जिससे विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

भोपाल (राधवकीर्ति)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने नरसिंहपुर जिले की तहसील तेंदुखेड़ा अंतर्गत ग्राम ब्रम्हनी में श्री मां मैकलसुता गौ सेवा संस्था द्वारा संचालित गोशाला का निरीक्षण एवं ग्राम बरमान कला और गुटोरी का भ्रमण किया। उन्होंने दोनों गांवों में विभाग द्वारा चलाए जा रहे क्षीर धारा अभियान का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने किया 4 लेन सीसी सड़क निर्माणकार्य का भूमि-पूजन अवधपुरी में 3.36 करोड़ की लागत से बनेगी सड़क, रहवासियों ने जताया आभार



भोपाल (राधवकीर्ति)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गुरुवार को 4-लेन सीसी सड़क का भूमि-पूजन किया। यह सड़क गोविंदपुरा विधानसभा के अंतर्गत आने वाले अवधपुरी क्षेत्र में बनने जा रही है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बताया कि एसबीआई ब्रांच से किस्टल आइडल सिटी गेट तक 3 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत से

बनने वाली इस सड़क से क्षेत्र का आवागमन अधिक सुलभ और सुगम बनेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना में सेंटर ब्रिज और स्ट्रीट लाइट का निर्माण भी शामिल है, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था और अधिक सुचारु हो सकेगी।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि क्षेत्र के किसान और नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर

कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस सड़क से अवधपुरी और उससे लगे इलाकों के लोगों को आवागमन में भी काफी राहत मिलेगी। इस सड़क का भूमि पूरा करने के लिए स्थानीय रहवासियों ने राज्यमंत्री श्रीमती गौर का आभार भी जताया। कार्यक्रम में सुरेंद्र धोटे, संजय शिवानी, वी. शक्तिराव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

प्रतिशत टेंगिंग कार्य किया जा रहा है, जिसके बारे में जानकारी प्राप्त की। ग्राम गुटोरी में आयोजित विशेष शिविर में अंतर्विभागीय समन्वय के माध्यम से योजना को सफल बनाने के निर्देश दिए। विशेष शिविर के दौरान अब तक 15 पशुओं का टीकाकरण, 2 पशुओं का सफल बधियाकरण, आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना के तहत 1 डेयरी इकाई की स्थापना के साथ ही 22

पशुपालकों को निःशुल्क दवाओं का विवरण किया गया। इस तरह से शिविर के माध्यम से 40 से अधिक हितग्राहियों लाभ उठाया। राज्यमंत्री श्री पटेल ने तहसील तेंदुखेड़ा के ग्राम ब्रम्हनी में श्री मां मैकलसुता गो सेवा संस्था द्वारा संचालित गोशाला पहुंचे। यहाँ पर गोशाला की व्यवस्था देख प्रशंसा ज़ाहिर की। वर्तमान में गोशाला में 340 गो-माताओं का संरक्षण किया जा रहा है।

क्षीर धारा अभियान का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों की आय में वृद्धि और गोवंश का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना है : मंत्री श्री पटेल

उन्होंने कहा कि क्षीर धारा अभियान का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों की आय में वृद्धि करना और गोवंश का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना है। राज्यमंत्री श्री पटेल ने भ्रमण के दौरान नरसिंहपुर जिले के विकासखंड करेली के ग्राम बरमान कला और गुटोरी पहुंचे। बरमान कला में वर्तमान में लगभग 1500 गोवंश एवं भैंसवंश का एफएमडी (खुपका-सुंहफका) टीकाकरण और शत-

कलेक्टर-एसपी की बैठक में अहम निर्णय, ब्लैक स्पॉट चिन्हांकन से लेकर ओवरलोडिंग पर कार्यवाही के निर्देश

दतिया (राघवकीर्ति)। कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े एवं पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज गुरुवार को न्यू कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में जिला न्यायालय के सामने कट (डिवाइडर ओपनिंग) के प्रावधान पर विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर श्री वानखड़े ने परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी ट्रैक्टरों में जीपीएस एवं रेडियम पट्टी अनिवार्य रूप से लगाई जाए, साथ ही ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने खैरी माता मंदिर (उनाव मार्ग), राजापुर गांव के पास स्पीड ब्रेकर निर्माण के निर्देश दिए। साथ ही सभी निर्माण एजेंसियों को



अपने-अपने मार्गों पर ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर रोड मार्किंग करने के निर्देश दिए गए। बैठक में लेजर स्पीड लाइट एवं सभी प्रमुख जंक्शनों पर रम्बल स्ट्रिप लगाने के निर्देश भी दिए

गए। कलेक्टर ने कहा कि 'राहवीर योजना' का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर उपचार मिल सके तथा सहायता करने वाले

व्यक्ति को योजना अंतर्गत प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा सके। कलेक्टर ने आरटीओ एवं यातायात प्रभारी को निर्देशित किया कि वे संयुक्त रूप से ऐसी रिपोर्ट तैयार करें जिसमें निष्क्रिय

सीसीटीवी कैमरे एवं जहां हाईमास्ट लाइट की आवश्यकता है, उसका विवरण शामिल हो।

इस रिपोर्ट के आधार पर एनएचएआई के माध्यम से

प्राथमिकता से कार्य कराए जाएंगे, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी। बैठक में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, ओवरलोडिंग पर सतत कार्रवाई, तथा लेट नाइट डीजे की

शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने एवं जुमर्ना लगाने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि आवागमन

के कारण हो रहे सड़क हादसों को रोकने हेतु विशेष अभियान चलाया जाए। सभी सीएमओ को निर्देशित किया गया कि वे इस कार्य को प्राथमिकता से करें तथा संबंधित टीआई, एसडीएम को समय-समय पर सूचना देकर समन्वय के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान गोरगछाट से इंदरगढ़ मार्ग पर सड़क किनारे उगी झाड़ियों की सफाई, तथा जहां भी स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं, वहां पहले रिफ्लेक्टर एवं ब्लिंकर लगाने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा ने निर्देशित किया कि अतिक्रमण वाले क्षेत्रों में प्रशासन के साथ समन्वय कर कार्रवाई की जाए, साथ ही रेड/डेंजर स्पॉट का चिन्हांकन कर आवश्यक सुधारालोक कदम उठाए जाएं। आरटीओ एवं यातायात पुलिस को संयुक्त निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर महेंद्र सिंह कवचे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील शिवहरे सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान, गेहूं उपार्जन सहित अन्य अभियान की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

अशोक नगर (राघवकीर्ति)। कलेक्टर साकेत मालवीय की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान, गेहूं उपार्जन तथा ज्ञान भारतम मिशन के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

बैठक कलेक्टर श्री मालवीय ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति, जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन, तथा वर्षा जल संचयन से जुड़े प्रयासों की विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान के तहत सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से तालाबों, कुओं और अन्य जल स्रोतों के गहरीकरण एवं साफ-सफाई पर जोर दिया।

साथ ही वर्षा जल के अधिकतम संचयन हेतु प्रभावी योजना बनाकर उसे धरातल पर लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें जनभागीदारी को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। गेहूं उपार्जन कार्य की समीक्षा



बैठक में कलेक्टर श्री मालवीय द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की प्रगति, किसानों को भुगतान की स्थिति तथा उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने समय पर तैल, बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता एवं परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों को भुगतान समय सीमा में किए जाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में अधिकारियों को

उपार्जन केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर द्वारा भारत सरकार के 'ज्ञान भारतम मिशन' के तहत जिले में पाण्डुलिपियों के संवर्धन एवं डिजिटलीकरण कार्य के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पाण्डुलिपियों की जानकारी मोबाइल एप पर अपलोड कराई जाना है।

इस कार्य हेतु शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक संगठनों एवं पाण्डुलिपि धारकों की सक्रिय सहभागिता

सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। बैठक में कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा दृष्टि योजना पंख कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर साकेत मालवीय की अध्यक्षता में गुरुवार को स्वयंसेवी संगठनों की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मनुष्य को मनुष्य होने के लिये मन में सहयोग की भावना होना अनिवार्य होता है। समाज में मनुष्य पहली इकाई है और सरकार दूसरी इकाई के रूप में कार्य करती है। सूचनाओं का आदान प्रदान सक्रियता के साथ करें। जरूरतमंद लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ आवश्यक रूप से पहुंचाने हेतु हर संभव प्रयास करें। बैठक में जिला समन्वयक बदी प्रसाद चौहान द्वारा जन अभियान परिषद की योजनाओं की जानकारी से सभी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित 15वीं शांसी निकाय की बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार एनजीओ का उन्मुखीकरण कार्यक्रम राज्य स्तर पर आयोजित किया जाना है। बैठक में स्वयंसेवी संस्थाओं ने अपनी संस्था के माध्यम से किये जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, नगर परिषद सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर मैहर का वन-टू-वन टॉक, मैदानी अमले से सीधा संवाद, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

मैहर (राघवकीर्ति)। शासकीय योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर मैहर बिदिशा मुखर्जी ने सख्त रुख अपनाया है। वे विभागवार मैदानी अमले से वन-टू-वन द्विपक्षीय संवाद कर रही हैं।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि योजनाओं का सफल संचालन मैदानी अमले के अच्छे काम पर निर्भर है। अमले की लापरवाही न केवल योजना को फेल करती है



बल्कि पूरे जिले की छवि भी धूमिल करती है। वर्तमान में कलेक्टर सभी

विभागों के मैदानी कर्मचारियों से उनकी जमीनी समस्याएं पूछ रही हैं और तत्काल समाधान के निर्देश भी दे रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्याओं के समाधान के बाद भी यदि कार्य में सुधार नहीं दिखा तो संबंधित कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और प्रशासनिक कसावट लाना है।

॥ जय गणेश ॥

‘स्वस्तिनोऽस्वभयं चोष्णु’

ॐ

॥ राघवकीर्ति ॥

“हमारा एक परामर्श संयोग्या ध्यायता भविष्य”

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिष से

जानें आपका भविष्य

सटीक कुंडली विश्लेषण एवं आपकी समस्या निवारण के लिए अचूक ठपाय, कालसर्प दोष, मंगल भात पूजा, श्रीमहामृत्युंजय मंत्र छाप, रुद्राभिषेक, चौरासी महादेव पूजन अभिषेक, नव ग्रह शांति, सप्तशती पाठ, दुर्गा पाठ, दुर्गा हवन, मूल नक्षत्र ध्यान्ति, वास्तु ध्यान्ति एवं बिना तोड़-फोड़ वास्तु दोष निवारण के लिए प्राणप्रतिष्ठित श्रीयन्त्र सहित विभिन्न कामनाओं की पूर्ति हेतु मंगलकारी यन्त्रों के लिए विश्ववसनीय

कुंडली बनवाने या किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए रजः/अनुष्ठान/दुर्गा पाठ, हवन, पुराण आदि के लिए संपर्क करें

आचार्य राघवकीर्ति गणेश

9479319999

(कृपया गेट से पूर्व समय लें)

www.jyotishvastu.com

WhatsApp : 9479319999

दक्षिण के लिए PhonePe 8602110000 (Raghavkirti)

Mahaganapati AAdhyatmik Mission

MIG -A 15/2 महानंदा नगर, चिंताहरण हनुमान मंदिर के पास, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत

- उपलब्धता -

उज्जैन • इंदौर • मोपाल • बैंगलोर • चैन्नई • हैदराबाद • मुम्बई • नई दिल्ली • अहमदाबाद • जयपुर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 का सर्वे कार्य 25 अप्रैल से प्रारंभ होने जा रहा है शहर की सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए : निगम आयुक्त



सफाई कार्य में लापरवाही ना हो नवीन टूलकिट के साथ सर्वे की तैयारियों को पूर्ण करें

उज्जैन (राघवकीर्ति)। स्वच्छ

सर्वेक्षण 2025 - 26 अभियान के अंतर्गत सर्वे कार्य 25 अप्रैल से प्रारंभ होने जा रहा है विजिटर टीम द्वारा उज्जैन शहर की सफाई व्यवस्था का किसी भी समय भ्रमण किया जा सकता है इसलिए शहर की सफाई व्यवस्था का विशेष रूप से ध्यान रखते हुए नवीन टूलकिट के अनुसार कार्य करना है उक्त निर्देश निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा

दिए गए। स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत निगम द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था का विशेष रूप से ध्यान रखा जाकर निरंतर जन जागरूकता गतिविधियों का संचालन आईईसी टीम के माध्यम से किया जा रहा है शहर के प्रमुख उद्यानों, जल संरचनाओं की विशेष रूप से सफाई कार्य, कचरा पृथक्करण अंतर्गत गीला

एवं सूखा कचरा अलग अलग संग्रहित किए जाने का कार्य साथ ही स्वच्छता अभियान अंतर्गत शहर के नागरिकों की भी मुख्य भूमिका रहेगी जिनके सकारात्मक फीडबैक के परिणाम स्वरूप ही हम स्वच्छता में नंबर वन आएंगे उज्जैन शहर पिछली बार सुपर स्वच्छता लीग अंतर्गत 3 से 10 लाख की जनसंख्या में प्रथम स्थान पर आया था यह स्थान हमें



निरंतर बनाए रखना है इस बार की परीक्षा में उन्हेल नगर परिषद को भी स्वच्छ शहर जोड़ी के अंतर्गत शामिल किया गया है जहां पर स्वच्छता की कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, स्वच्छता से संबंधित गतिविधियां संचालित की जा रही है इसी के साथ गंगा रिवर टाउन भी एक स्वच्छता अभियान की केटेगिरी है जिसके अंतर्गत उज्जैन शहर क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित है

इसलिए नदी की स्वच्छता का ध्यान भी रखा जा रहा है निगम आयुक्त के निर्देश अनुसार क्षिप्रा कवच टीम का गठन किया गया है जो घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को जागरूक करने का कार्य कर रही है। सर्वेक्षण अंतर्गत मुख्य बिंदु जिसमें कचरा सेग्रिगेशन शत प्रतिशत किया जाना, शहर की जल संरचनाओं की सफाई, बरसाती

नाले/नालियों की सफाई, नालों की कवरिंग एवं स्क्रीनिंग जाली लगवाई जाना, जुमाने के बोर्ड एवं जल संरचनाओं के पास चेतावनी बोर्ड, वेस्ट टू वंडर पार्क का संचालन, दीवारों पर स्वच्छता के स्लोगन, सुंदर चित्रकारी करना, बायोमेडिकल वेस्ट के लिए अलग से कचरा गाड़ी में सेक्शन एवं उसी में मेडिकल वेस्ट को डलना, शहर में भवन निर्माण

कार्यों के दौरान ग्रीन नेट से कवर करवाया जाना जिससे धूल के कण न उड़े, स्कूल/ कॉलेज में अवेयरनेस कार्यक्रम संचालित करना क्योंकि बच्चों के द्वारा ही स्वच्छता का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाता है, प्रमुख चौराहों, दीवारों पर स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के स्लोगन लिखे जाना, सुंदर चित्रकारी इत्यादि महत्वपूर्ण आवश्यक घटक हैं।

महापौर द्वारा ढाबा रोड से सत्यनारायण मंदिर तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया

महाकाल सवारी से पूर्व मार्ग पर चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण होगा एवं रहवासियों की समस्याओं का होगा समाधान : महापौर



उज्जैन (राघवकीर्ति)। गुरुवार को महापौर मुकेश टटवाल द्वारा छत्रीचौक से ढाबा रोड एवं सत्यनारायण मंदिर से दानीगेट तक नगर निगम द्वारा किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण पैदल भ्रमण करते हुए नागरिकों से चर्चा

कर उनकी समस्याओं को सुना साथ ही कहा कि महाकाल सवारी से पूर्व कार्य पूर्ण किया जाएगा वर्तमान में कार्य की गति बहुत धीमी है वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर कार्य की गति बढ़ाई जाएगी श्रावण मास में निकलने वाली बाबा महाकाल की

सवारी से पूर्व मार्ग पर कार्य को पूर्ण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान महापौर मुकेश टटवाल से चर्चा के दौरान नागरिकों द्वारा बताया गया की कार्य की धीमी गति होने के कारण काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है



आवागमन में भी समस्या हो रही है एवं पेयजल को लेकर भी समस्या है महापौर द्वारा क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं को सुनते हुए आश्वासन दिया कि वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करते हुए कार्य की गति और संसाधन बढ़ाए जाएंगे और आपको हो रही

समस्या का समाधान भी होगा साथ ही महाकाल सवारी से पूर्व मार्ग का कार्य पूर्ण किया जाएगा वर्तमान में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा मार्ग चौड़ीकरण कार्य में सहयोग करते हुए स्वयं द्वारा अपने मकानों के चिन्हित भाग को हटाने का कार्य किया गया है नाली

निर्माण का कार्य प्रचलित है शीघ्र ही रोड निर्माण का कार्य भी प्रारंभ किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य एवं लोक निर्माण समिति प्रभारी शिवेंद्र तिवारी, प्रकाश शर्मा, पार्षद अर्पित दुबे, छोटेलाल मण्डलोई उपस्थित रहे।

निरंतर जारी है नाला सफाई कार्य

निगम के संसाधनों से नालों की सफाई का कार्य किया जा रहा है



उज्जैन (राघवकीर्ति)। नगर निगम उज्जैन द्वारा प्रतिवर्ष बारिश के पूर्व शहर के चिन्हित बड़े नाले एवं नालियों की सफाई का कार्य किया जाता है जिससे बाढ़ों में जल भराव की स्थिति निर्मित नहीं होती है इसी क्रम में निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया की वर्षा काल से पूर्व शहर के समस्त बाई अंतर्गत प्रमुख बड़े एवं चिन्हित नाले नालियों की सफाई का कार्य प्रारंभ किया जाए उक्त सफाई कार्य निरंतर जारी है।

नाला सफाई के क्रम में नगर

निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा जेसीबी मशीन, पोकलेन मशीन, छोटी बांबकेट मशीन एवं नाला गैंग के कर्मचारियों द्वारा सफाई कार्य किया जा रहा है जिसके क्रम में गुरुवार को मंडखन मल्टी के पीछे का नाला, नालागंगा चौराहे के नाले की सफाई का कार्य किया गया। उक्त नालों की सफाई का कार्य निगम द्वारा बिना किसी अतिरिक्त व्यय के स्वयं के संसाधनों से जेसीबी एवं पोकलेन मशीन के माध्यम से सफाई का कार्य संपादित किया गया उक्त नालों की सफाई का कार्य 20 दिनों तक निरंतर जारी रहेगा।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय ने अधिसूचना जारी की - प्राचार्यों की बैठक में शासन की गाइडलाइन से करवाया अवगत

विषय परिवर्तन के लिए महाविद्यालयों के लिए नई गाइडलाइन जारी - 27 अप्रैल से अग्रणी कॉलेजों में शुरू होंगे साक्षात्कार

स्नातक और स्नातकोत्तर में संकाय और विषय बदलकर प्रवेश चाहने वालों के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने अग्रणी महाविद्यालय को बनाया नोडल एजेंसी - देना होगा वॉक-इन-इंटरव्यू

उज्जैन (राघवकीर्ति)। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी की गई नई गाइड लाइन पर सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर संकाय या विषय बदलने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की। इसे लेकर कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज द्वारा समस्त प्राचार्यों की बैठक आयोजित कर इससे अवगत करवाया गया और इसके पालन करवाने के निर्देश दिए गए। अब मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के नए निर्देशों के तहत विषय बदलकर प्रवेश लेने वाले छात्रों को 'वॉक-इन-इंटरव्यू' की प्रक्रिया से गुजरना होगा।

मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2026 के लिए विषय बदलकर स्नातक और स्नातकोत्तर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इनका प्रवेश अब वॉक-इन-इंटरव्यू परीक्षा प्रक्रिया से होगा, जिसे सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन ने अपने परिक्षेत्र के समस्त महाविद्यालयों में लागू किए जाने की अधिसूचना जारी कर दी है।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलसचिव डॉ. अनिल कुशर शर्मा ने बताया कि स्नातक (G) स्तर पर कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय परिवर्तन करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है और इसी तरह स्नातकोत्तर के वे विद्यार्थी जो स्नातक के अपने मूल मेजर या माइनर विषय को बदलकर किसी अन्य विषय या संकाय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं, के लिए नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इसके तहत अब राज्य स्तरीय एकीकृत परीक्षा का आयोजन 'वॉक-इन-इंटरव्यू' (साक्षात्कार) के माध्यम से किया जाएगा, उज्जैन में अग्रणी महाविद्यालय में यह साक्षात्कार होगा।

डॉ. शर्मा ने बताया कि इसी प्रकार स्नातकोत्तर (PG) स्तर पर प्रवेश के लिए 'राज्य स्तरीय एकीकृत परीक्षा' के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। यह प्रक्रिया उन विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है जो स्नातक के अपने मूल मेजर या माइनर विषय को बदलकर किसी अन्य विषय या संकाय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं।

डॉ. शर्मा ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह साक्षात्कार जिला स्तर पर प्रत्येक शासकीय अग्रणी महाविद्यालय में आयोजित किए जाएंगे जिन्हें उच्च शिक्षा विभाग की ओर से नोडल एजेंसी बनाया गया है। इसके अंतर्गत इच्छुक विद्यार्थी 27 अप्रैल 2026 से 14 मई 2026 के बीच सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक अपने संबंधित जिले के अग्रणी

महाविद्यालय के प्राचार्य के समक्ष उपस्थित हो सकते हैं। साक्षात्कार में सफल होने वाले विद्यार्थियों को प्राचार्य द्वारा मौके पर ही तीन प्रतियों में स्पष्ट किया गया कि विद्यार्थी को ई-प्रवेश पोर्टल पर अपलोड करनी होगी, जिसके आधार पर उन्हें नए संकाय में प्रवेश मिल सकेगा। यह प्रमाणपत्र तीन प्रतियों में होगा, जिसमें से एक प्रति विद्यार्थी को दी जाएगी, एक महाविद्यालय के पास रहेगी और तीसरी प्रति विश्वविद्यालय के कुलसचिव को भेजी जाएगी।

नगर भ्रमण पर निकले भगवान श्री चित्रगुप्त, दर्शन कर निहाल हुए भक्त केसरिया और राष्ट्रध्वज के साथ मातृशक्ति ने लिया ऊर्जा व जल संरक्षण का संकल्प

उज्जैन (राघवकीर्ति)। वैशाख शुक्ल गंगा सप्तमी के अवसर पर कायस्थ समाज के कुल आराध्य भगवान श्री चित्रगुप्त का प्राकट्य दिवस शहर में अपार श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह शहर के विभिन्न चित्रगुप्त मंदिरों में हवन, पूजन और विशेष अनुष्ठान संपन्न हुए। इसके पश्चात शाम को भगवान श्री चित्रगुप्त रथ में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकले। जनदर्शन यात्रा में भगवान के दर्शन पाकर भक्त निहाल हो गए और शहरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया।

उज्जैन कायस्थ समाज के अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह भगवान श्री चित्रगुप्त जनदर्शन यात्रा का लगातार नौवां वर्ष था। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत एवं उज्जैन कायस्थ समाज की सभी संस्थाओं के सहयोग से यह यात्रा ग्रांड होटल फ्रीज से प्रारंभ हुई। शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यात्रा शिपा तट स्थित श्री चित्रगुप्त घाट (छोटे पुल) पर पहुंची, जहां महाभारत के साथ इसका समापन हुआ। प्राणी मात्र के कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाले और कर्मों के अनुरूप फल देने वाले धर्मराज भगवान चित्रगुप्त के रथ के साथ शहर के सभी चित्रगुप्त मंदिरों की तस्वीरें भी यात्रा में शामिल की गईं, जिससे आयोजन की भव्यता और बढ़ गई।

जनदर्शन यात्रा की शुरुआत



सर्वप्रथम राष्ट्रगान गाकर की गई। इसके बाद वंदे मातरम और भारत माता की जय के जयकारों के साथ यात्रा आगे बढ़ी। यात्रा में सबसे आगे महिलाएं केसरिया पताकाएं और राष्ट्रध्वज लेकर चल रही थीं। केसरिया साड़ी पहने मातृशक्ति ने राष्ट्रध्वज और केसरिया पताकाओं के साथ निकली यात्रा सर्वोपरि का सार्थक संदेश दिया। मार्ग में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा मंच लगाकर इस भव्य यात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान मातृशक्ति ने देश को आत्मनिर्भर बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। अनुपमा श्रीवास्तव ने ईश्वन संरक्षण पर जोर देते हुए लोगों से ऊर्जा बचाने के लिए अधिक से अधिक इलेक्ट्रॉनिक (इलेक्ट्रिक) वाहनों का उपयोग करने की अपील की। इस दौरान मातृशक्ति ने देश में ऊर्जा, जल और पर्यावरण की रक्षा का विशेष संकल्प लिया। संयुक्त परिवारों की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए कायस्थ समाज द्वारा प्राकट्य दिवस पर एक अनूठी

पहल की गई। इस दिन समाज के घरों में चूल्हा नहीं जला। घर-घर से अनाज एकत्रित कर श्री चित्रगुप्त घाट पर विशाल कुटुंब रसोई बनाई गई। यात्रा के समापन पर महाभारती के पश्चात सभी समाजजनों ने एक जाजम पर बैठकर सहभोज किया और सामाजिक एकता का परिचय दिया। इस पूरे आयोजन में समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में मोतीलाल श्रीवास्तव, उर्मिला श्रीवास्तव, अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ. सोनल सिंह, डॉ. अजय खरे, डॉ. जितेंद्र भटनागर, डॉ. रविन्द्र श्रीवास्तव, युधिष्ठिर कुलश्रेष्ठ, सुभाष श्रीवास्तव, रूपकिशोर कुलश्रेष्ठ, राजभूषण श्रीवास्तव, अतुल सक्सेना, संजय श्रीवास्तव, चेतन श्रीवास्तव, आशीष अग्रना, नेहा श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव, रजनी कुलश्रेष्ठ, पंकि श्रीवास्तव, अंगद श्रीवास्तव, महत्व श्रीवास्तव और विशेष श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में मध्यप्रदेश डोमेस्टिक एंड इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर का लोकार्पण हुआ

मध्यप्रदेश डोमेस्टिक एंड इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मामलों के निराकरण का एक प्रभावी एवं आधुनिक माध्यम है : न्यायमूर्ति सचदेवा

यह सेंटर प्रदेश को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगा – न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला, प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर

इंदौर (राघवकीर्ति)। मध्यप्रदेश डोमेस्टिक एंड इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर का लोकार्पण उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर परिसर में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा मुख्य न्यायाधिपति, उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति विवेक रुसिया प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर, न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला प्रशासनिक न्यायाधिपति, उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। लोकार्पण कार्यक्रम में न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा मुख्य न्यायाधिपति,

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने कहा कि आर्बिट्रेशन उनका पसंदीदा विषय है तथा यह घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मामलों के निराकरण का एक प्रभावी एवं आधुनिक माध्यम है। उन्होंने उल्लेख किया कि इंदौर व्यापारिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध शहर है, जहाँ अनेक प्रतिष्ठित व्यापारिक संस्थान एवं औद्योगिक इकाइयाँ कार्यरत हैं। ऐसी परिस्थिति में यह आर्बिट्रेशन सेंटर भविष्य में इंदौर को एक प्रमुख आर्बिट्रेशन हब के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखता है। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने कहा कि वर्तमान में यह



केंद्र एक हाल, डायरेक्टर चैम्बर एवं कार्यालय कक्ष के साथ प्रारम्भ किया जा रहा है, किन्तु भविष्य में इसके इम्फ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी संसाधनों एवं मानव संसाधन (मैन पावर) को क्रमशः सुदृढ़ एवं विस्तारित किया जाएगा, जिससे यह केंद्र अधिक व्यवस्थित, सक्षम एवं प्रभावी रूप में

विकसित हो सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला, प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ, इंदौर ने कहा कि प्रदेश का प्रथम आर्बिट्रेशन सेंटर जबलपुर में प्रारंभ हुआ था और अब इंदौर में द्वितीय आर्बिट्रेशन सेंटर का शुभारंभ होना न्यायिक व्यवस्था के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस प्रकार के अत्याधुनिक आर्बिट्रेशन सेंटर की स्थापना समय की आवश्यकता है, जो विवादों के शीघ्र एवं विशेषज्ञ समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा प्रदेश को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगा। लोकार्पण कार्यक्रम में न्यायमूर्ति विवेक रुसिया प्रशासनिक न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर, न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर, न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा, न्यायमूर्ति संदीप एन. भट्ट, न्यायमूर्ति विनय सराफ, न्यायमूर्ति बिनोद कुमार द्विवेदी, न्यायमूर्ति गजेन्द्र सिंह, न्यायमूर्ति पवन कुमार द्विवेदी, न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी, पूर्व न्यायमूर्ति आई एस श्रीवास्तव, अस्सिस्टेंट सॉलीसिटर जनरल सुनील जैन, अतिरिक्त महाधिवक्ता सोनल गुप्ता, अर्बीट्रेटर्स, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार अनूप कुमार त्रिपाठी, विशेष कर्तृत्वव्यवस्था अधिकारी नीरज मालवीय, अध्यक्ष उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ मनीष यादव, सचिव उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ मनीष गढ़कर, अतिरिक्त महाधिवक्तागण, वरिष्ठ अधिवक्तागण, सदस्य राज्य अधिवक्ता परिषद के उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी गण व अधिवक्तागण, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी गण, उच्च न्यायालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्री परिषद की बैठक में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय पर मंत्री श्री सिलावट ने माना आभार, किसानों को मिठाई खिलाकर खुशियां जाहिर की

किसानों को ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि के भूअर्जन पर मिलेगा बाजार दर से 4 गुना मुआवजा-सिंचाई, सडक, पुल, रेल लाईन, बांध निर्माण एवं विकास कार्यों में होगा दोहरा लाभ : मंत्री श्री सिलावट

इंदौर (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय में संपन्न हुई मंत्री-परिषद की बैठक में किसान कल्याण वर्ष 2026 पर किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए कृषि भूमि के भूअर्जन पर भूमि का मुआवजा दो गुना के स्थान पर बाजार दर से 4 गुना करने पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उन्होंने निज निवास पर सैकड़ों किसानों को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया और फटाके फोड़कर खुशियां जाहिर की।



का मार्ग प्रशस्त किया। इस निर्णय से सिंचाई परियोजनाओं, सडक, पुल, स्वास्थ्य, शिक्षा, रेलवे लाईन, बांध निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहित की जाने वाली कृषि भूमि पर किसानों को अधिक राशि मिल

सकेगी और किसान परिवारों को आर्थिक लाभ मिलेगा। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि उपसमिति सदस्य मंत्री राकेश सिंहजी, मंत्री चेतन्य कश्यपजी ने किसान हित में अनुशंसा की थी। जिसमें अन्य राज्यों की नीतियों का

अध्ययन करते हुए विभिन्न किसान संगठन, केडाई, सीआईआई और फिकी से चर्चा के बाद यह रिपोर्ट तैयार की थी। प्रदेश सरकार के इस परदर्शी और किसान हितैषी निर्णय से प्रदेश के लाखों किसान परिवारों को लाभ होगा।

इस अवसर पर पूर्व कृषि मंत्री अध्यक्ष दयाराम चौधरी, सरपंच विक्की यादव, अनिल सेठ, मामराज जायसवाल, मुकेश पटेल, केदार मेहता, विनोद पटेल, सुरेशसिंह, यशवंत खबी, मनोज मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन अब 26 अप्रैल तक

इंदौर (राघवकीर्ति)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने गुरुवार को विद्यार्थियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 26 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में मंडल ने आदेश भी जारी कर दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि को बढ़ा दिया गया है।

संवाददाता नियुक्त करना है

प्रदेश के समस्त पंचायत स्तर पर संवाददाता/ विज्ञापन प्रतिनिधि नियुक्त करना है।

सम्पर्क

दैनिक राघवकीर्ति

94793 19999

हर पन्ना हर तरफ चौकस निगाहें-ताज़ातरीन खबरें

दैनिक राघवकीर्ति

MPHIN/2007/22188

www.raghavakirti.news

WhatsApp 9755910000

इंदौर की किसान दीदी ने जगाई पराली नहीं जलाने की अलख, 600 बीघा खेत बचाए

इंदौर (राघवकीर्ति)। उत्तर भारत में फसल कटाई के बाद पराली जलाने की प्रथा को रोकने के लिए सरकार ने 'शुरुआती दिनों में मैं घर ही रहती और मेरे पति महेश मजदूरी करने जाते थे। घर में तंगी बनी रहती। एक दिन गांव में आजीविका मिशन के अधिकारी आए। द्वारकाधीश सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाया।



अपने खेत में पराली (गेहूं कटाई के बाद बचे हुए दूट, अवशेष) नहीं जलाता। इसका कारण महिला किसान श्रीमती पपीता रावत है। पपीता रावत बताती हैं - 'शुरुआती दिनों में मैं घर ही रहती और मेरे पति महेश मजदूरी करने जाते थे। घर में तंगी बनी रहती। एक दिन गांव में आजीविका मिशन के अधिकारी आए। द्वारकाधीश सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाया।

श्रीमती पपीता रावत, जो एक स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष हैं ने अपनी यात्रा आजीविका मिशन से जुड़कर शुरू की। शुरुआती आर्थिक तंगी के बीच उन्होंने सिलाई कार्य से शुरुआत की। कृषि गतिविधियों में रुचि के चलते बाद में स्व-सहायता समूह और बैंक से ऋण लेकर स्टार रीपर मशीन खरीदी। इसके बाद उन्होंने गांव और आसपास के किसानों को पराली जलाने के नुकसान और उससे भूसा बनाने के फायदे समझाए।

पराली जलाने से यह होता है नुकसान

से CO₂ (कार्बन डाय ऑक्साइड), नाइट्रोजन ऑक्साइड सहित हानिकारक गैस बनती है जिससे ग्लोबल वार्मिंग प्रभावित होती है। मिट्टी उर्वरता (सॉइल फर्टिलिटी) के साथ सूक्ष्मजीव और बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। जिला प्रशासन और कृषि विभाग पराली न जलाने के लिए किसानों को जागरूक कर रहा है। यहां तक कि पराली जलाने पर जुर्माने का भी प्रावधान है।

प्रशासन भी कर रहा प्रोत्साहित

जिला पंचायत इंदौर के मुख्य

कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने बताया कि जिला प्रशासन और कृषि विभाग पराली नहीं जलाने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चला रहे हैं और नियमों के तहत जुर्माने का प्रावधान भी है। अधिकारियों का कहना है कि श्रीमती रावत जैसी किसान दीदियां न केवल खुद आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि समाज और कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। थुलेंट गांव की यह पहल दिखाती है कि जागरूकता, नवाचार और सामूहिक प्रयास से पराली जताने जैसी गंभीर समस्या का समाधान संभव है। आने वाले समय में ऐसी पहलें कृषि सुधार और पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

मध्यप्रदेश में गेहूं खरीदी लक्ष्य 78 से बढ़कर 100 लाख मीट्रिक टन हुआ

इंदौर (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश के लिए विधेयन वर्ष 2026-27 में गेहूं खरीदी के लक्ष्य में 22 लाख मीट्रिक टन की महत्वपूर्ण वृद्धि की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस वृद्धि के साथ अब मध्यप्रदेश का कुल गेहूं खरीदी लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 100 लाख मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। यह निर्णय राज्य में किसानों से अधिक मात्रा में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गेहूं खरीदी के लक्ष्य में वृद्धि के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह निर्णय किसानों के हित में एक बड़ा कदम है, जिससे उन्हें अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलने के साथ ही राज्य में खाद्यान्न प्रबंधन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। यह निर्णय किसानों के परिश्रम का सम्मान है और उन्हें उचित मूल्य दिलाने की दिशा में सशक्त कदम है।